Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : तृतीय
चम्पूकाव्यम्, नाटकम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "नलचम्पू" संस्कृत वाङ्मय में उत्कृष्ट रचना है। इस आशय से इसका सम्पूर्ण परिचय तथा महत्व स्पष्ट करें।
2. मुद्राराक्षस नाटक की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए तथा इसके प्रणेता विशाखदत्त के व्यक्तित्व को स्पष्ट करें।
3. रत्नावली की कथावस्तु लिखिए तथा श्रीहर्ष की प्रमुख रचनाओं को स्पष्ट करें।
4. "नल" के व्यावहारिक जीवन को विस्तृत रूप से समझाइये।
5. मुद्राराक्षस नाटक में "राक्षस" के व्यक्तित्व एवं आदर्शों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. नलचम्पू के प्रथम उच्छ्वास में वर्णित खलनिन्दा तथा सज्जनप्रशंसा का वर्णन करें।
2. रत्नावली नाटिका के प्रथम अङ्क का कोई प्रसंग लिखिए जो आपको प्रभावित करता हो।
3. मुद्राराक्षस के तृतीय व चतुर्थ अंक में से कोई दो श्लोक लिखकर उनके अभिप्राय को स्पष्ट करें।
4. प्रस्तुत श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें –

   "नीरं नीरजनिर्मुक्तं नीरजस्कं भुवस्तलम्।
   जातं जातिलतापुष्पगन्धान्धमधुपं वनम्।।"
5. महाकवि श्रीहर्षदेव का परिचय लिखिए।
6. "नलचम्पू" के प्रथम उच्छ्वास में से कोई दो श्लोक लिखकर व्याख्या करें।
7. मुद्राराक्षस नाटक में चाणक्य की क्या भूमिका है? स्पष्ट करें।

----------X----------